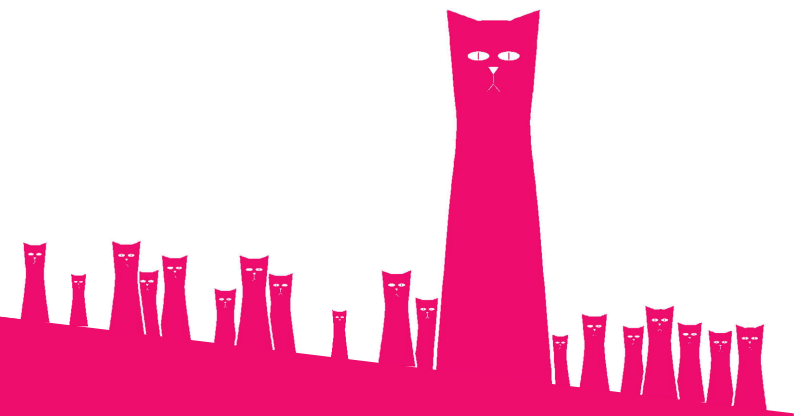


# नपुंसक बनाना



बाली संरण  
आवश्यक मागदशिक्षा



ब्रह्मली संरक्षण का घण्टा है जो जन्मदाता ब्रह्मली मालिक का एक अनिवादाकाय अपनी ब्रह्मली को नपुंसक बनवाना है।

## नपुंसक बनाना क्या है?

नपुंसक बनाना एक शल्य क्रिया है जिसमें जो माता ब्रह्मलियाँ गभधरण नहीं करती और नर ब्रह्मलियाँ माता को गभघती नहीं कर पाता।

- माता ब्रह्मली को बच्चादानी निकाल दी जाती है। (उसका अंडाशय और गभाशय निकाल दिया जाता है।)
- नर ब्रह्मली को बधिया कर दिया जाता है। (उसके अंडकोश निकाल दिए जाते हैं।)

ब्रह्मली संरक्षण पालतू ब्रह्मलियों को चार मास की आयु में नपुंसक बनाने की सिफारिश करती है लेकिन आपको प्रत्येक ब्रह्मली के लिए अपने पशुचिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए।



# नपुंसक कय बनाया जाए ?

नपुंसक बनाना अनेक कवाकय लाभ के साथ-साथ कटेन म अनपेक त ककलय क सं या घटाने मसहायता करता है।

## नपुंसक बनाई गई नर ककलय म

- मटरगती क संभावना कम होती है तथा उनके भागने का जोखिम कम हो जाता है
- लड़ने क संभावना कम होती है, उनके जमी होने का जोखिम कम हो जाता है
- लड़ने से फेलिन इयूनो डेफिशियसी वायरस (FIV) या फेलिन यूकाइमिया वायरस (FeLV) जैसी गभीर बीमारय के होने क संभावना कम हो जाती है
- मू छिड़काव जैसी के के यवहार के दशक क संभावना कम हो जाती है
- अंडकोश के ट्यूमर नहं होते

## नपुंसक मादा ककलयः

- गभधारण नहं करती तथा अनपेक त कलौट क जम नहं होता
- नपुंसक बनाई गई ककलय क तरह अपने मौसम म बुलावा या चीखने का कायनहं करती
- FIV और FeLV जैसी काटने से फैलने वाली बीमारय के संपक म आने क संभावना कम होती है
- अंडाशय और गभाशय के कसर नहं होते
- छह मास से पहले नपुंसक बनाए जाने पर कशेष क से कतन संबंधी कसर होने क संभावना कम हो जाती है



## श०य-□ या

श०य-□ या वाले ढन आपक० ब्र०ली पूरे ढन संवेदनाहार० रहती है अतः नर या मादा ब्र०ली को श०य-□ या से पहले कुछ भी न खलाएं आपका पशु-चिक्र०सक इस संबंध म०आपको सलाह देगा। नर या मादा दोन० ञकार क० ब्र०लय० क० श०य-□ या बहुत सरल है और इस ञकार आप उसी ढन अपनी ब्र०ली को श०य-□ या के लिए छोड़कर बाद म०वापस ले जा सकते हैं।

मादा ब्र०ली के एक छोटे भाग के बाल काटे जाते हैं; ये बाल कुछ ह० स०ह म०उग जाते हैं। मादा ब्र०ली को कुछ टांके भी लगाए जाते हैं। यद्द ये गल नहं० जाते हैं तो श०य-□ या के बाद दस ढन के आसपास पशु चिक्र०सक निकाल देता है।

श०य-□ या क० ञतिपूति० ब्र०लयॉ ञयः शी०ता से कर लेती ह० आपक० ब्र०ली के ठक्र होने के बारे म०आपका पशु चिक्र०सक उसक० ठक्र देखभाल के बारे म०सह० सलाह देगा।

## श०य-□ या पर कतना खच०होता है?

श०य-□ या का खचा०इस बात पर अलग-अलग होता है क्र आप देश के क्स भाग म०रह रहे ह० तथा क्स पशु-चिक्र०सक से श०य-□ या कराना चाहते ह० नर ब्र०ली क० श०य-□ या को औसत खचा० 20 पौंड से 40 पौंड आता ह० तथा मादा ब्र०ली का औसत खचा० 30 पौंड से 60 पौंड आता है। आपका पशु चिक्र०सक श०य-□ या करने से पहले श०य-□ या क० दर आपको खुशी से बता देगा। ब्र०ली संरण ब्र०ली मालिक० को हत या कम आय के आधार पर ब्र०ली को नपुंसक बनाने के खच० म० ब्र०पीय सहायता ञदान करता ह० अधिक जानकार० के लिए [www.cats.org.uk](http://www.cats.org.uk) पर जाएँ या 08702099099 पर फोन करा।



# नपुंसक बनाने के तपय

नपुंसक बनाने के बारे मअनेक दंत-कथाएं चलती हैं। सह तपवीर रखने के लिए तपय इस ंकार है:

- ंटेन मलगभग 2.5 करोड़ आवारा ब्रलयाँ ह
- नपुंसक बनाई गई मादा ब्रली केवल 5 वष म20,000 संतान पैदा करने के लिए उरदायी है
- ब्रली 4 मास क आयु से ह यौन ंप से सय हो जाती ह
- बचादानी निकालने से पहले ब्रली 'केवल एक बार बचे पैदा कर ले' यह ब्रली के लिए लाभकार नह ह
- ब्रलय मगभधारण का समय केवल नौ साह तक होता है और मादा ब्रली बचे जम देने के बाद केवल छह साह मफ्र गभधारण के लिए तैयार हो जाती है
- ब्रली के लिए मातृव तथा गभशारक ंप से काफ मँग भरा होती है - बार-बार गभसे उसक ंति होती है
- ब्रलयाँ अपनी बहन और भाइय के साथ जनन करती हैं
- ब्रली वषमतीन बार बचे पैदा करती है तथा ंयेक बार 5 से 6 बच को जम देती है। इस ंकार केवल एक ब्रली के बच के लिए ंतिवष ब्रली संरण के लिए 18 देखभाल के जुडते रहो!

यह एक ब्रिटीश देखभाल के मामलों में ब्रिटीश संरक्षण द्वारा  
उत्पन्न एक कठिनी मछली है।

ब्रिटीश संरक्षण ट्रेन का ब्रिटीश वंशी कल्याण परोपकार  
अधीन संस्था है और प्रतिवर्ष लगभग 140,000 ब्रिटीश और  
ब्रिटीश का सहायता करती है। इस महत्वपूर्ण कल्याण कार्यक्रम  
लिए वह हेतु हम पूरे तरह से जनता का उदारता पर निर्भर  
है।

**ब्रिटीश अंगीकार, हमारे लिए वयंसेवक बनने या दान देने के  
लिए अधिक जानकारी के लिए, देखें [www.cats.org.uk](http://www.cats.org.uk)**



Cats Protection, National Cat Centre,  
Chelwood Gate, Nr Haywards Heath RH17 7TT  
हेल्पलाइन: 08702 099 099 ईमेल: [cp@cats.org.uk](mailto:cp@cats.org.uk)  
पंजीकृत परोपकार 203644 EG05-2007 कोड: **4065**